

कृषि विश्वविद्यालय में 19वाँ दीक्षांत समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न।

कृषि विश्वविद्यालय में 19वाँ दीक्षांत समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न "कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है। अनपढ़ होने के बावजूद अनेक महिलाएँ अपने परिश्रम से करोड़ों रुपये कमा रही हैं। हमें ऐसे प्रेरणादायी उदाहरणों से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए।" — माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ में 20 जुलाई, 2026 को 19वें दीक्षांत समारोह का भव्य एवं गरिमामय आयोजन सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने की। मुख्य अतिथि के रूप में गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष एवं बनास डेयरी के चेयरमैन श्री शंकरभाई चौधरी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सरदार वल्लभभाई पटेल के प्रपौत्र श्री अतुल धीरजलाल पटेल उपस्थित रहे। समारोह में कुल 450 छात्र-छात्राओं को स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. की उपाधियाँ प्रदान की गईं। इनमें विभिन्न संकायों के 22 विद्यार्थियों को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदकों से सम्मानित किया गया। बीवीएससी एवं एनिमल हस्बैंड्री के छात्र आशुतोष शर्मा को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए चांसलर गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। साथ ही चार विद्यार्थियों को विभिन्न प्रायोजित स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के डॉ. एल. के. गंगवार को बेस्ट टीचर अवार्ड तथा प्रो. वैशाली को आउटस्टैंडिंग वुमन टीचर अवार्ड प्रदान किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने विद्यार्थियों से ज्ञान, कौशल एवं संस्कारों का उपयोग राष्ट्र, समाज और किसानों की सेवा में करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल उच्च शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि कृषि, पशुपालन, ग्रामीण उद्यमिता, खाद्य प्रसंस्करण एवं किसान कल्याण का सशक्त ज्ञान केंद्र है। उन्होंने नवाचार, सहयोग और सामूहिक प्रयासों पर बल देते हुए सुझाव दिया कि दीक्षांत समारोह को भविष्य में "दीक्षोत्सव" के रूप में कम से कम 15 दिनों तक आयोजित किया जाए, जिसमें किसानों, महिलाओं और ग्रामीण बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित हो। मुख्य अतिथि श्री शंकरभाई चौधरी ने प्रधानमंत्री के डिजिटल कृषि और नवाचार के विज्ञान का उल्लेख करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आधुनिक तकनीक और डिजिटल समाधान भारतीय कृषि को अधिक उत्पादक, सुरक्षित एवं टिकाऊ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विशिष्ट अतिथि श्री अतुल धीरजलाल पटेल ने विद्यार्थियों से बड़े सपने देखने, नवाचार को अपनाने तथा किसानों और समाज के उत्थान के लिए कार्य करने का आह्वान किया। कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने विद्यार्थियों को रोजगार खोजने के बजाय रोजगार सृजनकर्ता बनने की प्रेरणा देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार कृषि, जैव प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रसंस्करण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन तकनीक एवं डिजिटल कृषि जैसे क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल वातावरण विकसित कर रही है। राज्य मंत्री श्री बलदेव सिंह औलख ने शिक्षा को समाज सेवा का माध्यम बताते हुए विद्यार्थियों से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. त्रिवेणी दत्त ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, अनुसंधान एवं आधारभूत संरचना संबंधी उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 133 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाएँ प्रगति पर हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय एवं पतंजलि भारतीय आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, हरिद्वार के मध्य कृषि, आयुर्वेद एवं अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग हेतु एक महत्वपूर्ण समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किए गए। समारोह में कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही, कैबिनेट मंत्री श्री सोमेन्द्र तोमर, राज्य मंत्री श्री बलदेव सिंह औलख, एमएलसी श्री धर्मेन्द्र भारद्वाज, पूर्व सांसद श्री राजेन्द्र अग्रवाल एवं डॉ. संजीव बालियान, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गौरव चौधरी, श्री सुनील भराला सहित विश्वविद्यालय के प्रबंध परिषद के सदस्य, अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी, छात्र-छात्राएँ एवं उनके अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।



































